

विषय— हिन्दी

कक्षा—12

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2021-22 में समय से विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु 2-जैनेन्द्र कुमार (भाग्य और पुरुषार्थ)
7-हरिशंकर परसाई (निंदा रस)

कथा साहित्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु 1-भीष्म साहनी खून का रिश्ता
3-शिवानी (लाटी)

काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु 2-जगन्नाथदास "रत्नाकर" उद्धव-प्रसंग,
4-मैथिलीशरण गुप्त गीत
5-जयशंकर प्रसाद गीत,
6-सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला" सन्ध्या-सुन्दरी
7-सुमित्रा नन्दन पंत परिवर्तन
9-रामधारी सिंह "दिनकर" पुरुरवा, उर्वशी
11-विविधा

नरेन्द्र शर्मा	मधु की एक बूंद
भवानी प्रसाद मिश्र:	बूंद टपकी एक नभ से
गजानन माधव मुक्ति बोध:	मुझे कदम-कदम पर
गिरिजा कुमार माथुर:	चित्रमय धरती
धर्मवीर भारती:	सांझ के बादल

संस्कृत दिग्दर्शिका

1-भोजस्यौदार्यम्
4-ऋतुवर्णनम्

खण्ड-ख

(2) वर्णवृत्त-इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया, मंतगमंद, सुमुखी, सुन्दरी, बसन्ततिलका (लक्षण एवं उदाहरण)
(3) मुक्तक-मनहर (लक्षण एवं उदाहरण)

संस्कृत व्याकरण-

(2) व्यंजन- तोर्लि, अनुस्वारस्यययि पर सवर्णः
(3) विसर्ग- अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशिच, रोरि
ख- समास- बहुव्रीहि।

13 क-शब्दरूप (1) संज्ञा- राजन्, जगत् सरित्।
(2) सर्वनाम-सर्व, इदम्, यद्।

ख-धातुरूप- (परस्मैपदी) दा, कृ, चुर

ग-प्रत्यय (1) कृत- तब्यत्, अनीयर्

(2) तद्धित- वतुप

घ -विभक्ति परिचय- स्वधालंबषट्योगाच्च, षष्ठीशेषे, यतश्चनिर्धारणम्

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

विषय— हिन्दी

कक्षा—12

पूर्णांक 100

खण्ड-क (अंक-50)

1-हिन्दी गद्य का विकास (गद्य की पाठ्य पुस्तक में दिये गये पाठों पर आधारित विभिन्न कालों में गद्य की भाषा-संरचना, विधाओं में परिवर्तन, युग-प्रवर्तक लेखकों का योगदान एवं प्रमुख रचनाएं (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)।

1X5=5अंक

- 2-काव्य साहित्य का विकास (आधुनिक काल-भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता इत्यादि) की काव्य प्रवृत्तियां उनमें परिवर्तन प्रतिनिधि कवि एवं उनके प्रमुख कृतियां (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)। 1X5=5 अंक
- 3-पाठ्यक्रम में निर्धारित गद्यांशों पर आधारित पांच प्रश्न। 2X5=10 अंक
- 4- पाठ्यक्रम में निर्धारित पद्यांशों पर आधारित पांच प्रश्न। 2X5=10 अंक
- 5(क)-संकलित गद्य के पाठों के लेखकों का साहित्यिक परिचय, जीवनी, कृतियाँ तथा भाषा शैली (शब्द सीमा अधिकतम-80)3+2=5 अंक
(ख) काव्य-सौष्ठव-कवि परिचय, जीवनी, कृतियाँ, साहित्यिक विशेषताएँ-(शब्द सीमा अधिकतम-80) 3+2=5 अंक
- 6- कहानी-चरित्र-चित्रण, कहानी के तत्व एवं तथ्यों पर आधारित (लघु उत्तरीय प्रश्न)(शब्द सीमा अधिकतम-80) 5x1=5 अंक
- 7-खण्ड काव्य-निम्नलिखित पर आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा अधिकतम -80)- 5x1=5 अंक
(क) खण्ड काव्य की विशेषताएँ (ख) पात्रों का चरित्र-चित्रण (ग) प्रमुख घटनाओं पर आधारित प्रश्न।

खण्ड-ख (अंक-50)

- 8(क)-पठित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों के संस्कृत गद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद 2+5=7 अंक
(ख)-पठित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों के संस्कृत पद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद 2+5=7 अंक
- 9-पाठों पर आधारित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर (कोई दो प्रश्न करना है)। 2+2=4 अंक
- 10-काव्य सौन्दर्य के तत्व-
(क) सभी रस-(परिभाषा, उदाहरण एवं पहचान) 1+1=2 अंक
(ख) अलंकार (1) शब्दालंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष (परिभाषा एवं उदाहरण) 2 अंक
(2) अर्थालंकार-उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान, अनन्वय, प्रतीप, दृष्टान्त तथा अतिशयोक्ति (परिभाषा एवं उदाहरण)
(ग) छन्द (1) मात्रिक-चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, कुण्डलिया, हरिगीतिका, वरवै (लक्षण एवं उदाहरण) 1+1=2 अंक
- 11-निबन्ध-हिन्दी में मौलिक अभिव्यक्ति दिये हुए विषय पर निबन्ध, (जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा आदि की जानकारी हेतु इन विषयों पर भी निबन्ध पूछे जायेंगे)। 2+7=9 अंक
- संस्कृत व्याकरण-** (क्रम संख्या-12 एवं 13 से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे)
- 12 क-सन्धि-(1) स्वर सन्धि-एचोऽयवायावः एङः पदान्तादति, एङपररूपम् 1x3=3 अंक
(2) व्यंजन-स्तोः श्चुनाश्चुः, ष्टुनाष्टुः, झलांजशझशि, खरिच, मोऽनुस्वारः
(3) विसर्ग-विसर्जनीयस्य सः, सरयजुवोरुः
ख- समास-अव्ययीभाव, कर्मधारय। 1+1=2 अंक
- 13 क-शब्दरूप (1) संज्ञा-आत्मन्, नामन। 1+1=2 अंक
ख-धातुरूप-लट्, लोट, विधिलिङ्ग, लङ्, लृट्- स्था, पा, नी 1+1=2 अंक
ग-प्रत्यय (1) कृत-वत्, क्त्वा, 1+1=2 अंक
(2) तद्धित-त्व, मतुप,
घ -विभक्ति परिचय-अभितः परितः, समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि, येनाङ्गविकारः,
सहयुक्तेऽप्रधाने, नमः स्वस्तिस्वाहा 1+1=2 अंक
- 14-हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। (दो वाक्य) 2+2=4 अंक

खण्ड-क

पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	पाठ का नाम
1	2	3
गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	1-बासुदेव शरण अग्रवाल 3-कन्हैया लाल मिश्र 4-डॉ० हजारी प्रसाद	राष्ट्र का स्वरूप ("प्रभाकर"राबर्ट नर्सिंग होम में) अशोक के फूल

	5-पं०दीनदयाल उपाध्याय	सिद्धांत और नीति के सम्पादित अंश
	6-प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी	भाषा और आधुनिकता
	8-डा० ए०पी०जे०अब्दुल कलाम	तेजस्वी मन के सम्पादित अंश
काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	1-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र 2-जगन्नाथदास "रत्नाकर" 3-अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 4-मैथिलीशरण गुप्त 5-जयशंकर प्रसाद 6-सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला" 7-सुमित्रा नन्दन पंत 8-महादेवी वर्मा 9-रामधारी सिंह "दिनकर" 10-सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन "अज्ञेय"	प्रेम माधुरी, यमुना-छवि गंगावतरण पवन दूतिका कैकेयी का अनुताप श्रद्धा-मनु बादल-राग नौका विहार, बापू के प्रति गीत अभिनव-मनुष्य मैने आहुति बनकर देखा, हिरोशिमा
कथा साहित्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	2-फणीश्वर नाथ "रेणु" 4-अमरकांत 5-शिव प्रसाद सिंह	पंचलाइट ब्लादुर कर्मनाशा की हार

खण्ड काव्य (सहायक पुस्तक)

खण्ड काव्य

क्र०सं०	पुस्तक तथा लेखक	प्रकाशक	अनुदानित जिले
1	मुवित यज्ञ-लेखक-श्री सुमित्रा नन्दन पन्त	राधा कृष्ण प्रकाशन 2, अन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली	कानपुर, जौनपुर, मुरादाबाद, फैजाबाद, एटा, ललितपुर।
2	सत्य की जीत-लेखक-श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी	ज्वाला प्रसाद विद्या सागर, 129, कै०पी० कवकड़ रोड, प्रयागराज।	झांसी, बदायूँ, प्रतापगढ़, रामपुर, पीलीभीत, लखनऊ, इटावा, बलिया, बिजनौर।
3	रश्मि रथी लेखक-रामधारी सिंह "दिनकर"	उदयांचल, पटना, वितरक-लोक भारती 15-ए, महात्मा गांधी मार्ग, प्रयागराज।	वाराणसी, बुलन्दशहर, मथुरा, मुजफ्फरनगर, फतेहपुर, उन्नाव, देवरिया।
4	आलोकवृत्त लेखक-श्री गुलाब खण्डेलवाल	कमल प्रकाशन, 105 मुकुन्दीगंज, प्रतापगढ़।	प्रयागराज, अलीगढ़, सहारनपुर, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, मिर्जापुर, सीतापुर।
5	त्याग पथी लेखक-श्री रामेश्वर शुक्ल "अंचल"	साहित्यकार संघ, दारागंज, प्रयागराज।	आगरा, गोरखपुर, गाजीपुर, बरेली, सुल्तानपुर, जालौन, लखीमपुर खीरी, गोण्डा, शाहजहाँपुर, बाराबंकी।
6	श्रवण कुमार लेखक-श्री शिव बालक शुक्ल	गौतम बन्धु गोइन रोड, लखनऊ	मेरठ, आजमगढ़, बस्ती, रायबरेली, हरदोई, बांदा, बहराइच, हमीरपुर।

नोट :-इसके अतिरिक्त अन्य जिलों/नवसृजित जिलों में खण्ड काव्य पूर्व की भांति यथावत् पढ़ाये जायेंगे।

खण्ड-ख

संस्कृत दिग्दर्शिका

पाठ्य वस्तु

- 2-संस्कृत भाषायाः महत्वम्
 - 3-आत्मज्ञः एवं सर्वज्ञः
 - 5-जातक कथा
 - 6-नृपति दिलीपः
 - 7-महर्षि दयानंदः
 - 8-सुभाषित रत्नानि
 - 9-महामना मालवीयः
 - 10-पंचशीलसिद्धान्ताः
 - 11-दूत वाक्यम्
- परिशिष्ट, व्याकरण, शब्दरूप, धातुरूप।